ये अव्यक्त इशारे

जीवनमुक्त स्थिति का अनुभव करने के लिए बन्धनों से मुक्त बनो

15-12-2023

मैं और मेरा-पन ही फर्शवासी बनाता है। फरिश्ता बनना अर्थात् मैं और मेरेपन के बन्धन से मुक्त बनना। इस अलौकिक जीवन में 'मैं' और 'मेरा' ही सुनहरी जंजीर है। मैं अच्छा ज्ञानी हूं, मैं ज्ञानी तू आत्मा, योगी तू आत्मा हूं, मेरी यह विशेषता है, मेरी यह नेचर है, अब इस मैं और मेरे पन से मुक्त बनो।

In order to experience the stage of liberation-in-life become free from bondage.

"I" and "mine" make you into residents of the Earth. To become an angel means to become free from the bondage of "I" and "mine". In this alokik life, "I" and "mine" is a golden chain. "I am a very good gyani, I am a gyani soul, I am a yogi soul. This is my speciality. This is my nature. Now, become free from this "I" and "mine".